

(b) The originally sanctioned cost and the latest estimated cost of such projects is as under:—

(Amount in Lakhs)

| S. No. | Name of project | Original estimated cost | Latest estimated cost |
|--------|--------------------|-------------------------|-----------------------|
| 1. | Mayurakshi Project | 1550.00 | 2046.00 |
| 2. | Kangsabati Project | 2525.90 | 5200.00 |
| 3. | Hinglow scheme | 97.94 | 150.00 |
| 4. | Saharajore scheme | 20.64 | 77.00 |

The Central financial assistance to the States, including West Bengal in the Fourth Plan, was being provided in the form of block loans and grants as a whole and it was not relatable to any particular project or head of development. The irrigation projects are implemented by the State Governments within their overall development resources.

FACT Officials visit Abroad

9312. **SHRI RAMACHANDRAN KADANNAPPALLI:**
SHRI VAYALAR RAVI:

Will the Minister of **PETROLEUM AND CHEMICALS** be pleased to state:

(a) the number of officials of **FACT**, Kerala who have gone abroad during the last three years; and

(b) the total expenditure incurred by them including foreign exchange and the duration of stay abroad in each case?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) and (b). The information is being collected and will be placed on the Table of the House.

मिट्टी के तेल तथा भट्टी के तेल की कमी

9313. **श्री श्रीकृष्ण अग्रवाल :** क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताते की वृषा करेगे कि .

(क) क्या अगले वर्ष **मिट्टी के तेल** तथा **भट्टी की कमी** होने की आशंका है;

(ख) यदि हा तो इसके क्या कारण हैं, और

(ग) सरकार इस कमी को पूरा करने के लिये क्या प्रयास कर रही है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां): (क) से (ग) अशोधित कच्चे तेल तथा अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्यों में तीव्र वृद्धि हो जाने के कारण देश की विदेशी मुद्रा साधनों पर भारी दबाव पडा है । इस कार्य के लिए 1974-75 के अन्तर्गत उपलब्ध हो सकने वाली सीमित विदेशी मुद्रा को ध्यान में रखते हुए इन उत्पादों की माग को पूर्ण रूप से पूरा कर सकना संभव नहीं हो सकेगा । इसलिए इन उत्पादों के प्रयोग में बचत करना अत्यन्त आवश्यक है । कोयला तथा सौफ्ट कोक जिनका भट्टी के तेल तथा मिट्टी के तेल के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है, के उत्पादन तथा परिवहन को बढ़ाने के कार्य को सरकार उच्चतम प्राथमिकता दे रही है । गांव की बिद्युतीकरण योजनाओं में तेजी लाई जा रही है । तेल कम्पनियों द्वारा भी ईंधन गैस के उत्पादन तथा विपणन के विस्तार कार्य को उच्चतम प्राथमिकता देने के लिए कदम उठाए जा रहे है ।